सवाल जब जब, जवाब तब तब!

देवकी नंदन

प्यारे पाठक मित्रों, सितंबर के इस महीने में सारी दुनिया 'विश्व पर्यटन दिवस (27 सितंबर)', 'विश्व हृदय-रक्षा दिवस (29 सितंबर)' जैसे कई अहम दिन मनाती है परंतु हम भारतीय 'शिक्षक दिवस (5 सितंबर)' तथा 'हिंदी दिवस (14 सिंतबर)' भी बड़े उत्साह से मनाते हैं, है न? हिंदी दिवस के संबंध में हमें अमीर खुसरो की एक उक्ति याद है- 'अगर मीठी बातें करनी हों, तो मुझसे हिन्दी में बतियाओ'। शिक्षक दिवस के महत्व पर भी हमें एक उक्ति याद आ रही है जिसे आइंस्टीन ने कहा था। शिक्षार्थियों के लिये उनका संदेश था- 'जो विभिन्न प्रकार का ज्ञान आप आज पा रहे हैं वह आपके पास अनेक-अनेक लोगों, अनेक-अनेक देशों और अनेक संप्रदायों के जरिये पहुंचा है। ऐसे में आपका कर्तव्य है कि इस ज्ञान से आप पूरे संसार के भले की सोचें, पूरे विश्व को भाईचारे की लड़ी में पिरो दें।' पाठक मित्रों, इन्हीं कुछ संदेशों के संग हम अब सवाल जब जब, जवाब तब तब की यह नई किश्त आपके लिये पेश कर रहे हैं। इसका आनंद अवश्य लें और अपनी प्रतिक्रियायें भी अवश्य भेंजे, धन्यवाद!!

• **प्रश्न 1 :** क्या दुनिया में ऐसे म्यूज़ियम भी हैं जहां हम मनुष्यों व विविध पशु-पक्षियों के मल-मूत्र (Excreta) को अपनी आँखों से देख सकते हैं? ऐसे म्यूज़ियम क्या कहलाते हैं?

• **उत्तर :** हाँ, ऐसे म्यूज़ियम जरूर मौजूद हैं

जिन्हें 'शिट' (Shit) या 'पू' (Poo) म्यूज़ियम कहा गया है। मनुष्य की विष्ठा के अलावा पशु-पक्षियों के गोबर-लीद-मेंगनी-बीट आदि का रंग- बिरंगा नज़ारा बहुत रोमांचक व ज्ञानवर्धक होता है। इनमें सर्वप्रमुख है उत्तरी इटली के कैसल बास्को का 'म्यूज़ियो डेला मर्दा' (Museo Della Merda) म्यूज़ियम जिसमें आप तरह-तरह के मल से तैयार ईंधन-खाद-दवाइयाँ पेपर वग़ैरह भी देख-खरीद सकते हैं। अब नया समाचार है कि इंग्लैंड के 'आइसेल ऑफ वाइट' स्थान पर भी एक विशाल शिट म्यूज़ियम स्थापित किया गया है। ऐसे म्यूज़ियम पशु-पक्षी चिकित्सकों के लिये विशेष लाभकारी हैं।

• **प्रश्न 2 :** क्या सागरों में भी सिंह (Lions) रहते हैं? बताइए न?

• **उत्तर :** सिंह तो थल पर रहते हैं, अलबत्ता जलसिंह (Sea Lions) पृथ्वी के विभिन्न सागरों-महासागरों में अवश्य पाये जाते हैं। किन्हीं

छुटपुट घटनाओं को छोड़ दें तो मान सकते हैं कि सागरों के ये लॉयन्स थल के सिंहों की तरह आक्रामक बिल्कुल नहीं होते। अलबत्ता आप इनसे 4-5 मीटर दूर रहें तो महफूज रहेंगे। ये शांत किस्म के पिनिपीड्स (Pinnipeds) हैं जोकि स्वयं व्हेलों-शार्कों का सहज भोजन बन जाते हैं। थल पर ये स्तनधारी चारों पैरों पर, सिर ऊँचा रख कर चलते हैं इनकी मूँछों व फ्लिपर्स वाले कान (Ear flippers) खास आकर्षण हैं। इनका जीवनकाल 20-30 वर्ष का होता है।

• **प्रश्न 3 :** पृथ्वी पर तो आप रोज़ केवल 1 बार ही सूर्योदय देख पाते हैं परंतु यदि आप अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) में बैठे हों तो 24 घंटे में कितने सूर्योदय देख पायेंगे?

• **उत्तर :** पृथ्वी के 250 मील ऊपर स्थित अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) प्रत्येक 90 मिनट में पृथ्वी का एक चक्कर पूर्ण कर लेता

है। इस तरह 24 घंटों में यह पृथ्वी के पूरे 16 चक्कर लगाता है और रोज 16 सूर्योदय देखता है। यदि आप इस स्टेशन में विराजमान होंगे तो हर डेढ़ घंटे में ताज़ातरीन सूर्योदय का रोमांच साक्षात अनुभव करेंगे, हैं न?

• **प्रश्न 4 :** प्लास्टर ऑफ पेरिस (कैल्शियम सल्फेट हेमीहाइड्रेट, ($CaSO_4½H_2O$) यानी पीओपी हमारे दैनिक इस्तेमाल की चीज़ है, मगर इसका पेरिस से क्या संबंध है?

• **उत्तर :** पेरिस के मोंटमार्त्रे पहाड़ियों में जिप्सम (कैल्शियम सल्फेट डाइहाइड्रेट, $CaSo_4 \cdot 2H_2O$) के बड़े भंडार थे। जिप्सम को जब स्थानीय

लोगों ने करीब 100°C पर गर्म किया तो यह पीओपी पाउडर में बदल कर बहुउपयोगी बन गया। अब यह काम पेरिस से शुरू हुआ तो आज भी इसे पेरिस के नाम से ही संबोधित किया जाता है। आप को पता ही है कि पीओपी भवन निर्माणकर्ताओं, मूर्तिकारों, हड्डी के डॉक्टरों आदि द्वारा इस्तेमाल होता है। इस पाउडर में पानी डालिये, पेस्ट बनाइए व इस्तेमाल कीजिये। शीघ्र ही यह सूखकर सख्त हो जाता है।

• **प्रश्न 5 :** यदि कोई व्यक्ति बहुत अच्छा भौतिकशास्त्री है, अच्छा गणितज्ञ भी है, कविता भी लिखता है तथा पॉलिटिकल डिबेट्स में भी आगे रहता है, तो आप ऐसे व्यक्ति को हिंदी व इंग्लिश में क्या कहेंगे?

• **उत्तर :** इतिहास में ऐसे अनेक व्यक्ति रहे हैं जिनका ज्ञान कई-कई क्षेत्रों तक फैला था। मसलन लियोनार्दो दा विंची महान पेंटर के अलावा उम्दा वैज्ञानिक व डॉक्टर भी थे। ओमर खय्याम महान कवि ही नहीं महान गणितज्ञ भी थे। इसी प्रकार डॉ. होमी भाभा भौतिक शास्त्री, इंजीनियर, गणितज्ञ व पेंटर भी थे। हर

ज़माने में ऐसे लोगों को प्रकृति जन्म देती है। यह बताने के लिये कि मनुष्य जो चाहे वह बन सकता है, पा सकता है। ऐसे परम-विद्वानों को पॉलीमैथ (Polymath) कहा गया है। बोलचाल में हम उन्हें हरफ़नमौला, एन्साइक्लोपीडिया, महापंडित अथवा बहुशास्त्र ज्ञानी आदि विशेषणों से भी पुकारते हैं।

• **प्रश्न 6 :** देश में अब ऐसी पिस्तौल बन चुकी है जोकि प्रभावी होते हुए भी बहुत छोटी व हल्की है। यह आम व्यक्ति की, खास कर महिलाओं की आत्मरक्षा में बहुत उपयोगी सिद्ध हो सकती है। 0.22 कैलिबर की इस पिस्तौल को किसने निर्मित किया है, इसका नाम क्या है और यहाँ 0.22 कैलिबर का अर्थ क्या है, बताइये तो प्लीज़?

• **उत्तर :** जीहाँ, 'निडर' नाम की यह पिस्तौल सिर्फ 250 ग्राम वजन की है और फरवरी 2016 में लाँच की गयी है। 'राईफल फैक्ट्री ईशापुर', आगरा द्वारा निर्मित यह 'लाइट एंड कॉम्पैक्ट' रिवॉल्वर अब तक की सबसे हल्की पिस्तौल है जिसके एक राउंड में आठ गोली आ सकती हैं। 7 मीटर दूर तक इसका निशाना अचूक होता है। इसे लेडीज़ पर्स अथवा जेंट्स की बैक पॉकेट में आसानी से ले जाया जा सकता है। 0.22 कैलिबर का अर्थ है कि इसके बैरल का व्यास 0.22 इंच है (बैरल साइज कभी-कभी मिलीमीटर में भी मापा जाता है मसलन 9 एम एम राइफल का अर्थ है कि इसकी बैरल का व्यास 9 मिलीमीटर है)। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसका दाम करीब 35000 रुपये रखा गया है और इसके अद्भुत गुणों से यह न केवल देश में बल्कि विदेशों में भी खूब बिकेगी। हाँ, परमिट लाइसेंस तो लेना ही होगा न!

• **प्रश्न 7 :** ज्यादातर शहरी युवा आजकल सिर में तेल ही नहीं लगाते। क्या यह नई परंपरा अच्छी और स्वस्थ है?

• **उत्तर :** सिर में रोज़ थोड़ा सा अच्छा, कम खुशबू वाला तेल लगाना एक स्वस्थ चीज़ है। नहाने के बाद हथेली में थोड़ा सा तेल लेकर बालों व सिर की त्वचा में 2 मिनट तक रगड़िये। इससे टेंशन दूर होगी, सुख मिलेगा, बालों व सिर की त्वचा से मॉइश्चर नहीं निकलेगा एवं वायु की प्रदूषक गैसे व इस ऑयल की सतह द्वारा रोक ली जायेंगी, गंजापन दूर रहेगा आदि। हाँ, ढेरों तेल लगाना भी कोई स्वस्थ परंपरा नहीं, अतः बीच का मार्ग सही है। नारियल, बादाम, ऑलिव व सरसों तेल अच्छे माने जाते हैं।

• **प्रश्न 8 :** क्या यह सही है कि कटा तरबूज, गूँदा आटा और खीरा व बैंगन जैसी सब्जी फ्रिज में केवल 3 दिन तक रखी जानी चाहिये, ज्यादा नहीं?

• **उत्तर :** यह बात सही है। ये चीज़ें 3 दिन से

ज्यादा फ्रिज में न रखें। यदि फ्रिज पुराना है या फिर खूब भरा है तो फिर इन चीज़ों को 2 दिनों में ही खत्म कर डालें वरना इनकी ताज़गी व पौष्टिकता बरकरार नहीं रह पायेगी।

और अब अंतिम प्रश्न में हँसी का जश्न...

राम : मैंने एक गिलहरी पाली, वह मुझे छोड़ गई। एक गौरेया पाली, वह भी छोड़ गई। फिर मैंने एक पेड़ लगाया तो गिलहरी व गौरेया दोनों लौट आईं। हुई न अकल की बात?

श्याम : यह तो कुछ नहीं। मैंने सैंडविच बनाया, धर्मेन्दर आया खा के चला गया। फिर बर्गर बनाया, राजिन्दर आया खा के चला गया। फिर मैंने पी.सी. पर जंगल बुक की सीडी चलाई, धर्मेंदर सैंडविच बना लाया और राजिन्दर भी बर्गर बना ले आया। कहो, हुई न वैज्ञानिक अकल की बात?

संपर्क सूत्र :
डॉ. देवकी नंदन
बी-707, प्रगति अपार्टमेंट्स, प्लॉट 5-सी
सेक्टर-11, द्वारका, नई दिल्ली 110075
[मो. 9910332145]